NATIONAL EDUCATION POLICY-2020

Common Minimum Syllabus for all Uttarakhand State Universities and Colleges for First Three Years of Higher Education

PROPOSED STRUCTURE OF
UG- SANSKRIT
SYLLABUS

2021

Curriculum Design Committee, Uttarakhand

Sr.No.	Name & Designation	
1.	Prof. N.K. Joshi Vice-Chancellor , Kumaun University Nainital	Chairman
2.	Prof. O.P.S. Negi Vice-Chancellor , Uttarakhand Open University	Member
3.	Prof. P. P. Dhyani Vice-Chancellor , Sri Dev Suman Uttarakhand University	Member
4.	Prof. N.S. Bhandari Vice-Chancellor, Soban Singh Jeena University Almora	Member
5.	Prof. Surekha Dangwal Vice-Chancellor, Doon University, Dehradun	Member
6.	Prof. M.S.M. Rawat Advisor, Rashtriya Uchchatar Shiksha Abhiyan, Uttarakhand	Member
7.	Prof. K. D. Purohit Advisor, Rashtriya Uchchatar Shiksha Abhiyan, Uttarakhand	Member

Syllabus prepared, checked and modified by:

S.N.	Name	Designation	Department	Affiliation
1.	PROF. PUSHPA AWASTHI	PROFESSOR	SANSKRIT	SOBAN SINGH JEENA, ALMORA UNIVERSITY
2.	PROF. JAYA TIWARI	PROFESSOR	SANSKRIT	D.S.B. CAMPUS KUMAUN UNIVERSITY, NAINITAL
3.	PROF. SHALIMA TABASUM	PROFESSOR	SANSKRIT	SOBAN SINGH JEENA, ALMORA UNIVERSITY
4.	PROF. KAMALA PANT	PROFESSOR	SANSKRIT	MBPG COLLEGE HALDWANI
5.	PROF. SHALINI SHUKLA	PROFESSOR	SANSKRIT	PG COLLEGE PITHORAGAR
6.`	DR. POONAM PATHAK	ASSOCIATE PROFESSOR	SANSKRIT	SHRIDEV SUMANA UNIVERSITY, RISHIKESH
7.	DR. LAJJA BHATT	ASSISTANT PROFESSOR	SANSKRIT	D.S.B. CAMPUS KUMAUN UNIVERSITY, NAINITAL
8.	DR. NEETA ARYA	ASSISTANT PROFESSOR	SANSKRIT	D.S.B. CAMPUS KUMAUN UNIVERSITY, NAINITAL
9.	DR. NEERAJ JOSHI	ASSISTANT PROFESSOR	SANSKRIT	UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY, HALDWANI
10.	DR. RAGHAVA JHA	ASSISTANT PROFESSOR	SANSKRIT	PG COLLEGE KASHIPUR
11.	DR. MOOLA CHANDRA SHUKLA	ASSISTANT PROFESSOR	SANSKRIT	PG COLLEGE RAMNAGR
12.	DR. PRADEEP KUMAR	ASSISTANT PROFESSOR	SANSKRIT	D.S.B. CAMPUS KUMAUN UNIVERSITY, NAINITAL

List of all Papers in Six Semester Semester-wise Titles of the Papers in Sanskrit					
Year	**Sem.**	**Course Code**	**Paper Title**	**Theory/ Practical**	**Credits**
			Certificate Course in Arts- Sanskrit		
FIRST YEAR	I		संस्कृत नीतिकाव्य एवं व्याकरण **Major/ Core**	Theory	6
			संस्कृत भाषा अध्ययन **अथवा** संस्कृत सम्भाषण **Minor/ Elective**	Theory	4
			संस्कृतभाषा एवं संगणक **Minor/Skill Development Coures**	Theory	3
			भारतीय ज्ञान परम्परा (वेद का सामान्य अध्ययन एवं अथर्ववेद से संगृहीत सूक्तियाँ) **Co- Curricular Course (Qualifying)**	Theory	2
	II		संस्कृतमहाकाव्य, छन्दोऽलंकार एवं नाटक **Major/Core**	Theory	6
			नित्यनैमित्तिक अनुष्ठान **Minor/Skill Development Coures**	Theory	3
			भारतीय ज्ञान परम्परा (आरण्यक एवं उपनिषद् का सामान्य अध्ययन) **Co- Curricular Course (Qualifying)**	Theory	2
			Diploma in Arts- Sanskrit		
SECOND YEAR	III		काव्य, भारतीयसंस्कृति एवं व्याकरण **Major/Core**	Theory	6
			श्रीमद्भगवद्गीता का अध्ययन **Minor/ Elective**	Theory	4
			ज्योतिषशास्त्र के मूलभूत सिद्धान्त **Minor/Skill Development Coures**	Theory	3
			भारतीय ज्ञान परम्परा (पुराण एवं धर्मशास्त्र का सामान्य अध्ययन) **Co- Curricular Course (Qualifyin**	Theory	2
	IV		संस्कृत साहित्य, साहित्यकार परिचय एवं निबन्ध **Major/Core**	Theory	6
			उत्तराखण्ड के संस्कृत साहित्यकार–एक अध्ययन **अथवा** भारतीय वास्तुशास्त्र **Minor/Skill Development Coures**	Theory	3
			भारतीय ज्ञान परम्परा (रामायण एवं महाभारत का सामान्य अध्ययन) **Co- Curricular Course (Qualifying)**	Theory	2

Bachelor of Arts- Sanskrit					
THIRD YEAR	V		काव्यशास्त्र, दर्शन एवं व्याकरण **Major/ Core**	Theory	5
			उपनिषद्, पुराण एवं स्तोत्रकाव्य **Major/ Core**	Theory	5
			भारतीय ज्ञान परम्परा (भारतीय दर्शन का सामान्य अध्ययन) **Co- Curricular Course (Qualifying)**	Theory	2
			संस्कृत रूपकों में नाट्यशास्त्रीय तत्त्व / **Project**	Project	4
	VI		वेद एवं वैदिक साहित्य **Major/ Core**	Theory	5
			स्मृति एवं कौटिलीय–अर्थशास्त्र **Major/ Core**	Theory	5
			भारतीय ज्ञान परम्परा (नीति कथाओं का अध्ययन– पंचतंत्र के परिप्रेक्ष्य में) **Co- Curricular Course (Qualifying)**	Theory	2
			वेद में योग का स्वरूप / **Project**	Project	4

COURSE INTRODUCTION

Programme outcomes (POs):	
PO1	साहित्य मानव संवेदना की अभिव्यक्ति का प्रमुख स्त्रोत रहा है। कलाओं में यह सम्पूर्ण कला है। साहित्य समाज का दर्पण है। स्नातक उपाधि में इस विषय के चयन एवं अध्ययन से विद्यार्थी को साहित्य के सागोपांग महत्व का ज्ञान होगा।
PO2	सहज एवं स्वाभाविक रूप से भाषा–कौशल प्राप्त कर उनमें प्रभावशाली अभिव्यक्ति की क्षमता उत्पन्न होगी।
PO3	आत्मविश्वास से युक्त एवं नेतृत्व क्षमता के धारक होंगे।
PO4	मूल्यपरक व्यक्तित्व से युक्त होकर भारतीयता के बोध के साथ वैश्विक नागरिक के रूप में भावी चुनौतियों का सामना करने में सक्षम होंगे।
PO5	विद्यार्थी संघ लोक सेवा आयोग एवं प्रादेशिक लोक सेवा आयोगों के परीक्षा पाठ्यक्रम में सम्मिलित संस्कृत साहित्य की आधार एवं अनिवार्य शिक्षा प्राप्त करेगें।
PO6	विद्यार्थियों को लेखन, वाचन एवं अध्ययन की दृष्टि से भाषागत दक्षता प्राप्त होगी।

Programme specific outcomes (PSOs):
UG I Year / Certificate cours Arts with Sanskrit

1. सर्वाधिक वैज्ञानिक भाषा के रूप में संस्कृत भाषा के प्राचीन महत्व एवं उसकी वर्तमान प्रासंगिकता को जानने–समझने योग्य होंगे।
2. संस्कृत साहित्य के विभिन्न विषयों यथा काव्य, नाटक, चम्पू, दर्शन, धर्मशास्त्र, नीतिशास्त्र, ज्योतिष, वास्तुशास्त्र, कर्मकाण्ड, व्याकरण इत्यादि से सुपरिचित होकर संस्कृत मर्मज्ञ बन सकेंगे।
3. संस्कृत व्याकरण के विभिन्न अंगों के ज्ञान द्वारा भाषा के शुद्ध अध्ययन, लेखन एवं उच्चारण के माध्यम से अभिव्यक्ति कौशल का विकास होगा।

Programme specific outcomes (PSOs):
UG II Year/ Diploma in Arts with Sanskrit

1. आयुर्वेद, वास्तुशास्त्र, ज्योतिष, नित्यनैमित्तिक कर्मकांड इत्यादि के माध्यम से जीविकोपार्जन के योग्य बनेंगे।
2. वैदिक एवं लौकिक संस्कृत साहित्य की समृद्धता एवं तन्निहित नैतिकता एवं आध्यात्मिकता को अनुभूत कर भारतीय संस्कृति के महत्व को वैश्विक स्तर तक पहुंचाने में सक्षम होंगे।
3. धर्म–दर्शन, आचार–व्यवहार, नीति शास्त्र एवं भारतीय संस्कृति के मूल तत्वों को जानकर उत्तम चरित्रवान् मानव एवं कुशल नागरिक बनेंगे।
4. समसामयिक समस्याओं के समाधान के रूप में संस्कृत साहित्य में निबद्ध सर्वांगीणता के प्रति शोधपरक दृष्टि का विकास होगा।

Programme specific outcomes (PSOs): ***UG III Year / Bachelor of Arts with Sanskrit***	
PSO1	विद्यार्थी स्नातक उपाधि वर्ष पाठ्यक्रम के अन्तर्गत मुख्य विषय के रूप मे काव्यशास्त्र, दर्शन साहित्य का आधारभूत ज्ञान प्राप्त करेगें।
PSO2	पाठ्यक्रम के अन्तर्गत व्याकरण एवं उपनिषद् का सामान्य परिचय प्राप्त करेगें।
PSO3	स्नातक उपाधि के पाठ्यक्रम में विद्यार्थी पुराण एवं स्तोत्रकाव्य का ज्ञान प्राप्त करेंगें।
PSO4	विद्यार्थी पाठ्यक्रम के अन्तर्गत वेद एवं वैदिक साहित्य से परिचित होगें।
PSO5	पाठ्यक्रम के अन्तर्गत स्मृति साहित्य का अध्ययन कर उसके महत्व से परिचित होगें।
PSO6	कौटिलीय अर्थशास्त्र के अध्ययन से विद्यार्थी परिचित होगें।

	Year wise Structure of UG/ B.A.(CORE / ELECTIVE COURSES & PROJECTS)												
	Subject: Sanskrit												Total Credits /hrs/
Course /Entry – Exit Levels	**Year**	**Sem.**	**Paper 1 Major Course**	**Credit/ hrs**	**Paper 2 Minor/ Elective**	**Credit/ hrs**	**Paper 3** Vocational/Skill Development Coures	**Credit /hrs**	**Paper 4** Co- Curricular Course (Qualifying)	**Credit /hrs**	**Research Project**	**Credit**	
Certificate Course In Arts-Sanskrit	**I**	**I**	संस्कृत नीतिकाव्य एवं व्याकरण	6	संस्कृत भाषा अध्ययन **अथवा** संस्कृत सम्भाषण	4	संस्कृतभाषाएवंसंगणक	3	**भारतीय ज्ञान परम्परा** (वेद का सामान्य अध्ययन एवं अथर्ववेद से संगृहीत सूक्तियाँ)	2			11 + 4 + 11
		II	संस्कृतमहाकाव्य, छन्दोऽलंकार एवं नाटक	6			नित्यनैमित्तिक अनुष्ठान	3	**भारतीय ज्ञान परम्परा** (आरण्यक एवं उपनिषद् का सामान्य अध्ययन)	2			
Diploma in Art-Sanskrit	**II**	**III**	काव्य, भारतीयसंस्कृति एवं व्याकरण	6	श्रीमद्भगवद्गीता का अध्ययन	4	ज्योतिषशास्त्र के मूलभूत सिद्धान्त	3	**भारतीय ज्ञान परम्परा** (पुराण एवं धर्मशास्त्र का सामान्य अध्ययन)	2			11 + 4 + 11
		IV	संस्कृत साहित्य, साहित्यकार परिचय एवं निबन्ध	6			उत्तराखण्ड के संस्कृत साहित्यकार– एक अध्ययन **अथवा** भारतीय वास्तुशास्त्र	3	**भारतीय ज्ञान परम्परा** (रामायण एवं महाभारत का सामान्य अध्ययन)	2			
Bachelor of Arts- Sanskrit	**III**	**V**	काव्यशास्त्र, दर्शन एवं व्याकरण	5					**भारतीय ज्ञान परम्परा** (भारतीय दर्शन का सामान्य अध्ययन)	2	संस्कृत रूपकों में नाट्यशास्त्रीय तत्त्व	4	
			उपनिषद्, पुराण एवं स्तोत्रकाव्य	5									
		VI	वेद एवं वैदिक साहित्य	5					**भारतीय ज्ञान परम्परा** (नीति कथाओं का अध्ययन– पंचतंत्र के परिप्रेक्ष्य में)	2	वेद में योग का स्वरूप	4	
			स्मृति एवं कौटिलीय–अर्थशास्त्र	5									

Comments	1. प्रमाण पत्र वर्ष में संस्कृत विभाग की ओर से इलेक्टिव (वैकल्पिक) विषय के रूप में प्रथम सत्रार्द्ध अथवा द्वितीय सत्रार्द्ध में एक विषय जिसमें दो में से एक विषय तथा स्किल डेवलपमेंट कोर्स (कौशल/क्षमता विकास पाठ्यक्रम) के अन्तर्गत प्रथम एवं द्वितीय सत्रार्द्ध में एक–एक विषय तथा को–करिकुलर (सह पाठ्यक्रम) के अन्तर्गत प्रथम एवं द्वितीय सत्रार्द्ध में एक–एक विषय प्रस्तावित है। 2. डिप्लोमा वर्ष में संस्कृत विभाग की ओर से इलेक्टिव (वैकल्पिक) विषय के रूप में तृतीय सत्रार्द्ध अथवा चतुर्थ सत्रार्द्ध में एक विषय तथा स्किल डेवलपमेंट कोर्स (कौशल/क्षमता विकास पाठ्यक्रम)के अन्तर्गत तृतीय एवं चतुर्थ सत्रार्द्ध में एक–एक विषय तथा को–करिकुलर (सह पाठ्यक्रम) के अन्तर्गत तृतीय एवं चतुर्थ सत्रार्द्ध में एक–एक विषय प्रस्तावित है।

Internal Assessment & External Assessment

Internal Assessment	Marks	External Assessment	Marks
नियतकार्य, समूहचर्चा, कक्षा सेमिनार, मौखिकी आदि	25	लिखित परीक्षा	75

CERTIFICATE COURSE IN UG

Programme: *Certificate Course in Arts- Sanskrit*	**Year: I**	**Semester:I Paper-I**

Subject: Sanskrit

CourseCode: | **Course Title: संस्कृत नीतिकाव्य एवं व्याकरण**

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. विद्यार्थी संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय प्राप्त कर नीतिकाव्य से परिचित हो सकेंगे।
2. संस्कृत नीतिकाव्य की सुगीतात्मकता का सौंदर्यबोध कर सकेंगे।
3. नीतिकाव्य में प्रयुक्त नैतिक शिक्षा का बोध कर सकेंगे।
4. संस्कृत व्याकरण का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर उसकी वैज्ञानिकता से सुपरिचित हो सकेंगे।
5. संस्कृत वर्णों के शुद्ध उच्चारण कौशल का विकास होगा।
6. स्वर एवं व्यंजन के मूल भेद को समझ कर पृथक् अर्थावगमन की क्षमता उत्पन्न होगी।
7. स्वर, व्यंजन एवं विसर्ग संधि का विशिष्ट ज्ञान एवं उनके अनुप्रयोग का कौशल विकसित होगा।

Credits: 6	**Core Compulsory**
Max. Marks: 25 (Internel)+ 75 (External)=100	**Min. Passing Marks: 10+30=40**

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	**Topic**	**No. of Lectures**
Unit I	नीतिशतकम्– भर्तृहरि (प्रारम्भ की पाँच पद्धतियॉ)–संस्कृत नीतिसाहित्य का परिचय, भर्तृहरि का जीवनवृत्त एवं नीति साहित्य को योगदान, मूर्ख पद्धति, विद्वत्पद्धति, मान–शौर्य–पद्धति, अर्थपद्धति, दुर्जनपद्धति।	17
Unit II	हितोपदेश–मित्रलाभ (प्रारम्भिक दो कथायें)–नीति कथाओं का विकास एवं महत्त्व, पं0 नारायण का जीवनवृत्त एवं कृतियों का परिचय, हितोपदेश की प्रथम दो कथाओं का सारांश (वृद्धव्याघ्रपथिकयोः कथा एवं मृगजम्बुकयोः कथा), अनुवाद एवं व्याकरणात्मक टिप्पणी।	16
Unit III	व्याकरण– संज्ञा प्रकरणम्–माहेश्वरसूत्राणि, लघुसिद्धान्तकौमुदी के संज्ञा प्रकरण से सूत्र संख्या– 1/3/3, 1/1/60, 1/3/9, 1/1/71, 1/2/27, 1/2/29, 1/2/30, 1/2/31, 1/1/8, 1/1/9, 1/1/69, 1/4/109, 1/1/7 एवं 1/4/14।	17
Unit IV	व्याकरण– शब्दरूप लेखन मात्र– राम, रमा, हरि, नदी, गुरु, अस्मद् एवं युष्मद्।	10
Unit V	धातुरूप– पठ्, गम्, भू, कृ, लिख्– पाँचों लकारों में लेखन मात्र– लट्, लृट्, लोट्, लङ् एवं विधिलिंङ्।	10
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	70 20 Total- 90

Suggested Reading:

1. नीतिशतकम्– जनार्दन शास्त्री पाण्डेय, मोतीलाल बनारसीदास दिल्ली।
2. नीतिशतकम्– अनन्तराम शास्त्री।

3. हितोपदेश– डॉ0 प्रभुनाथ द्विवेदी।
4. हितोपदेश (मित्रलाभ)– रश्मिकला संस्कृत हिन्दी व्याकरण सहित।
5. हितोपदेश सं0 जीवानन्द विद्यासागर, कोलकता।
6. नीतिशतकम्, भर्तृहरि (व्या0) राकेश शास्त्री, परिमल पब्लिकेशन, दिल्ली 2003।
7. नीतिशतकम्, समीर आचार्य, प्राच्य भारती प्रकाशन, गोरखपुर।
8. लघुसिद्धान्तकौमुदी– श्री वरदराजाचार्यकृत–'ललिता'– संस्कृत– हिन्दी टीकोपेता– डॉ0 कौशलकिशोरपाण्डेय–चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी।
9. लघुसिद्धान्तकौमुदी– श्री वरदराजाचार्यकृत– व्याख्याकार श्री धरानन्दशास्त्री– चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी।

Suggested Online Link:
Suggested equivalent online courses:
This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

CERTIFICATE COURSE IN UG		
Programme: *Certificate Course in Arts- Sanskrit*	**Year: I**	**Semester:I or II** **Paper-II**
Subject: Sanskrit		
CourseCode:	**Course Title:** संस्कृत भाषा अध्ययन	

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. संस्कृत भाषा का अध्ययन करने से विद्यार्थियों में व्याकरण के प्रति रूचि उत्पन्न हो सकेंगी।
2. संस्कृतभाषा को स्नातक–कलावर्ग के अतिरिक्त वाणिज्य एवं विज्ञानवर्ग के विद्यार्थी भी पढ़ सकते हैं।
3. संस्कृत भाषा के ज्ञान से नैतिक मूल्यों, आध्यात्मिक मूल्यों को समझ कर अपना लक्ष्य पूर्ण कर सकते हैं।
4. संस्कृतभाषा के अध्ययन से विद्यार्थी अन्य भाषा के स्रोत को सरलता से समझ सकते हैं।

Credits:4	**Minor/ Elective Paper**
Max. Marks: 25 (Internel)+ 75 (External)=100	**Min. Passing Marks: 10+30=40**

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	संज्ञा प्रकरण–माहेश्वरसूत्र, प्रत्याहार, संस्कृत वर्णमाला परिचय एवं वर्णों के उच्चारण स्थान। संधि प्रकरण–अच् सन्धि (दीर्घ सन्धि, गुण सन्धि, यण् सन्धि, वृद्धि सन्धि, अयादि सन्धि, पूर्वरूप सन्धि एवं पररूप सन्धि।	15
Unit II	शब्दरूप लेखनमात्र– राम, हरि, रमा, फल। धातुरूप लेखनमात्र– पठ्, गम्, भू, दा।(पंचलकार– लट्, लृट्, लोट्, लङ्, विधिलिङ्) सर्वनामरूप लेखनमात्र– अस्मद्, युष्मद्।	05
Unit III	01 से 100 तक संख्यालेखन। दैनिकव्यावहारिक प्रचलित प्रशासनिक अंग्रेजी शब्दों का सस्कृतरूप। शब्दावली– शरीरवर्ग, परिवारवर्ग एवं भोज्य पदार्थ शब्दावली।	05
Unit IV	कारकप्रयोग, प्रत्ययपरिचय, उपसर्गपरिचय, अव्ययपरिचय, वाच्यपरिवर्तन।	14
Unit V	पत्रलेखन– शासकीयपत्र एवं अशासकीयपत्र। हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद।	10
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	49 11 Total- 60

Suggested Reading:

1– रचनानुवादकौमुदी–	डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
2– संस्कृत भाषा–	अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी।
3– संस्कृत व्याकरण–	डॉ प्रीतिप्रभा गोयल, राजस्थानी ग्रन्थकार, जोधपरु।
4– लघुसिद्धान्त–कौमुदी–	(संज्ञा, सन्धि प्रकरण) डॉ0 वेदपाल, साहित्य भण्डार, मेरठ।
5– लघुसिद्धान्तकौमुदी–	डॉ0 रामकृष्ण आचार्य, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा।
6– लघुसिद्धान्तकौमुदी–	डॉ0 उमेश चन्द्र पाण्डे, चौखम्बा प्रकाशन।

Suggested Online Link:
Suggested equivalent online courses:
This course can be opted as an elective by the students of following subjects:
अन्य सभी विभाग एवं संकाय

अथवा

CERTIFICATE COURSE IN UG			
Programme: ***Certificate Course in Arts- Sanskrit***		**Year: I**	**Semester:I or II Paper-II**
Subject: Sanskrit			
CourseCode:	**Course Title: संस्कृत सम्भाषण**		
Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि संस्कृत भाषा सर्वज्ञानमय है जिसके सम्बर्धन एवं प्रचार–प्रसार की दिशा में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा किया जा रहा प्रयास अत्यन्त सराहनीय है। संस्कृत भाषा को सर्वजनस्पर्शी बनाने हेतु संस्कृत सम्भाषण परम आवश्यक है। इस से संस्कृत भाषा जन–जन की व्यवहारिक भाषा बन सकेगी तथा संस्कृत भाषा में निबद्ध ज्ञान सबके लिए ग्राह्य हो सकेगा।			
Credits: 4		**Minor/ Elective Paper**	
Max. Marks: 25 (Internel)+ 75 (External)=100		**Min. Passing Marks: 10+30=40**	
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0			

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	संस्कृत सम्भाषण का महत्त्व एवं वर्तमान में प्रासंगिकता–संस्कृत साहित्य का परिचय, संस्कृत साहित्य की विधाओं का परिचय एवं महत्त्व, सम्भाषण का महत्त्व, संस्कृत सम्भाषण प्रयोग।	05
Unit II	संस्कृत– प्रथम दीक्षा– व्यवहारावतरणी।	12
Unit III	संस्कृत– प्रथम दीक्षा– व्यवहारावतरणी।	10
Unit IV	संस्कृत– द्वितीय दीक्षा– व्यवहारावगाहनी।	12
Unit V	संस्कृत– द्वितीय दीक्षा– व्यवहारावगाहनी।	10
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	49 11 Total- 60

Suggested Reading:

1. संस्कृत सम्भाषण संदेश पत्रिका– बैंग्लूर।
2. संस्कृत प्रथम दीक्षा– वेम्पटि कुटुम्ब शास्त्री, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली।
3. संस्कृत द्वितीय दीक्षा– वेम्पटि कुटुम्ब शास्त्री, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान,नई दिल्ली।
4. रचनानुवादकौमुदी– डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी। ।
5. संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका– डॉ0 बाबूराम सक्सेना,साहित्य संस्थान, इलाहाबाद।

6. लघुसिद्धान्तकौमुदी– डॉ0 रामकृष्ण आचार्य, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा।
7. संस्कृत प्रवेशिका– संस्कृत भारती।

Suggested Online Link:
Suggested equivalent online courses:
This course can be opted as an elective by the students of following subjects:
अन्य सभी विभाग एवं संकाय

CERTIFICATE COURSE IN UG

Programme: ***Certificate Course in Arts- Sanskrit***	**Year: I**	**Semester:I Paper-III**

Subject: Sanskrit

CourseCode: | **Course Title: संस्कृतभाषा एवं संगणक**

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. विद्यार्थी संगणक का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर, अधिगम क्षमता में वृद्धि हेतु इसका उपयोग करने में सक्षम होंगे।
2. E- Content एवं डिजिटल लाइब्रेरी का उपयोग करने में समर्थ होंगे।
3. संस्कृत भाषा और साहित्य के नित्य–नवीन अन्वेषण को खोज पाने तथा उससे स्व–ज्ञान कोष में वृद्धि कर पाने योग्य होंगे।
4. संगणक के प्रयोग के माध्यम से संस्कृत ज्ञान के प्रचार प्रसार करने में कुशल बनेंगे।
5. पारंपरिक एवं वैश्विक ज्ञान में सामंजस्य बनाकर ज्ञान की अभिवृद्धि करने एवं जीविकोपार्जन के नए मार्ग खोजने का कौशल विकसित होगा।

Credits: 3	**Vocational/Skill Development Coures**
Max. Marks: 25 (Internel)+ 75 (External)=100	**Min. Passing Marks: 10+30=40**

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	कम्प्यूटर का सामान्य परिचय, संस्कृत की दृष्टि से कम्प्यूटर की उपयोगिता, विभिन्न सॉफ्टवेयर–माइक्रोसॉफ्ट वर्ड, माइक्रोसॉफ्ट पावरप्वाइंट, माइक्रोसॉफ्ट एक्सेल।	12
Unit II	कम्प्यूटर में संस्कृत–हिन्दी लेखन हेतु उपयोगी टूल्स–यूनिकोड, गूगल इनपुट टूल, गूगल असिस्टेंट एवं वॉइस टाइपिंग।	12
Unit III	इंटरनेट का प्रयोग एवं वेब सर्च–ई टेक्स्ट, ई बुक्स, ई रिसर्च जनरल, ई मैग्जीन, डिजिटल लाइब्रेरी। ऑनलाइन टीचिंग लर्निंग प्लेटफॉर्म–जूम, टीम, मीट, वेबैक्स ऑनलाइन लर्निंग एवं रिसर्च प्लेटफार्म–स्वयं, मूक, ई–पाठशाला, डेलनेट, इनफ्लाइब्रेट, शोधगंगा, गूगल स्कॉलर आदि।	13
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	37 08 Total- 45

Suggested Reading:

1. कम्प्यूटर का परिचय, गौरव अग्रवाल, शिवा प्रकाशन, इंदौर।
2. कम्प्यूटर फंडामेंटल, पी0के0 सिन्हा, बी0पी0बी0 पब्लिकेशन, नई दिल्ली।
3. इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी, सुमिता अरोरा, धनपत राय पब्लिकेशन, नई दिल्ली।

Suggested Online Link:

Suggested equivalent online courses:

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

अन्य सभी विभाग एवं संकाय

CERTIFICATE COURSE IN UG

Programme: *Certificate Course in Arts- Sanskrit*	**Year: I**	**Semester:I Paper-IV**

Subject: Sanskrit

CourseCode: | **Course Title: भारतीय ज्ञान परम्परा–(वेद का सामान्य अध्ययन एवं अथर्ववेद से संगृहीत सूक्तियाँ)**

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

भारतीय ज्ञान परम्परा अद्वितीय ज्ञान और प्रज्ञा का प्रतीक है जिसमें ज्ञान और विज्ञान, लौकिक और पारलौकिक, कर्म और धर्म तथा भोग और त्याग का अद्भुत समन्वय है। ऋग्वेद के समय से ही शिक्षा प्रणाली जीवन के नैतिक, भौतिक, आध्यात्मिक और बौद्धिक मूल्यों पर केन्द्रित हो कर विनम्रता, सत्यता, अनुशासन, आत्मनिर्भरता और सभी के लिए सम्मान जैसे मूल्यों पर जोर देती थी। वेदों में विद्या को मनुष्य की श्रेष्ठता का आधार स्वीकार किया गया था। (ऋग्वेद10/71/7)। छात्रों को मानव, प्राणियों एवं प्रकृति के मध्य सन्तुलन बनाने रखना सिखाया जाता था। शिक्षण और सिखने के लिए वेद और उपनिषद् के सिद्धान्तों का अनुपालन जिससे व्यक्ति स्वयं, परिवार और समाज के प्रति कर्तव्यों को पूरा कर सके, इस प्रकार जीवन के सभी पक्ष इस प्रणाली में सम्मिलित थे।

भारतीय ज्ञान परम्परा के प्रस्तावित पाठ्यक्रम में वेद एवं ब्राह्मण ग्रन्थों का सामान्य अध्ययन, आरण्यक और उपनिषद् का सामान्य अध्ययन, पुराण एवं धर्मशास्त्र का सामान्य अध्ययन, रामायण एवं महाभारत का सामान्य अध्ययन, भारतीय दर्शन का सामान्य अध्ययन एवं नीति कथाओं का अध्ययन–पंचतंत्र के परिपेक्ष्य में सम्मिलित किया गया है। जिनके अध्ययन से छात्रों में वैज्ञानिक चिन्तन, रचनात्मकता, तार्किक शक्ति, कल्पना शक्ति एवं नैतिक मूल्यों का समावेश हो सके।

Credits: 2	**Co- Curricular Course (Qualifying)**
Max. Marks: 25 (Internel)+ 75 (External)=100	**Min. Passing Marks: 10+30=40**

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	**Topic**	**No. of Lectures**
Unit I	वेद का सामान्य परिचय एवं महत्त्व–वैदिक संहिताओं का परिचय–ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद एवं अथर्ववेद का परिचय एवं महत्त्व। वेदों में प्राप्त सूक्तियों का महत्त्व।	10
Unit II	अथर्ववेद से संग्रहित सूक्तियाँ– 1. एकेश्वरवाद का प्रतिपादन करने वाली सूक्तियाँ। 2. अभ्युदय सम्बन्धी सूक्तियाँ। 3. मातृभूमि के प्रति उदात्त भावना। 4. राजधर्मपरक सूक्तियाँ।	15
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	25 05 Total- 30

Suggested Reading:

1– वैदिक साहित्य का इतिहास– आचार्य कपिलदेव द्विवेदी।
2– वैदिक साहित्य का इतिहास– पं0 बलदेव उपाध्याय।
3– वैदिक वाङ्मय का विवेचनात्मक इतिहास– डॉ0 सूर्यकान्त।
4– वैदिक सूक्ति स्तवः– डॉ0 राधेश्याम गंगवार।
5– अथर्ववेदभाष्य– स्वामी दयान्नद सरस्वती।
6– संस्कृत वाङ्मय का बृहत् इतिहास– वेद खण्ड– प्रकाशन– राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान लखनऊ।
7– अथर्ववेद एवं परिचय– रजनीश–न्यू भारतीय बुक कॉरपेशन नई दिल्ली।
8– ऋग्वेदकालीन समाज और संस्कृति– शंकर शुक्ल– न्यू भारतीय बुक कॉरपेशन नई दिल्ली।

Suggested Online Link:

Suggested equivalent online courses:

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

अन्य सभी विभाग एवं संकाय

CERTIFICATE COURSE IN UG

Programme: ***Certificate Course in Arts- Sanskrit*** | **Year: I** | **Semester:II Paper-I**

Subject: Sanskrit

CourseCode: | **Course Title: संस्कृतमहाकाव्य, छन्दोऽलंकार एवं नाटक**

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. विद्यार्थी संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय प्राप्त कर काव्य के विभिन्न भेदों से परिचित हो सकेंगे।
2. संस्कृत महाकाव्य के अध्ययन से उनमें निहित महान् चरित्रों का अध्ययन कर आत्मसात् करेंगे।
3. विद्यार्थी संस्कृत महाकाव्य मे प्रयुक्त रस, छन्द, अलंकारों को समझने की क्षमता प्राप्त करेंगे।
4. संस्कृत महाकाव्यों में निहित सूक्तिों एवं सुभाषित वाक्यों के माध्यम से विद्यार्थियों का नैतिक एवं चारित्रिक उन्नयन होंगा।
5. संस्कृत नाटक के अध्ययन से विद्यार्थी संस्कृत नाट्य साहित्य को सामान्य रूप से समझने में सक्षम होंगे।
6. नाटक की पारिभाषिक शब्दावली से सुपरिचित होंगे तथा संवाद एवं अभिनय कौशल में पारंगत होंगे।

Credits:6	**Core Compulsory**
Max. Marks: 25 (Internel)+ 75 (External)=100	**Min. Passing Marks: 10+30=40**

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	रघुवंशम्–कालिदासकृत, द्वितीय सर्ग– 01 से 25 श्लोक पर्यन्त– सस्कृत महाकाव्य का सामान्य परिचय, महाकवि कालिदास का परिचय, रचनाएं, रघुवंशपरिचय, श्लोकों की व्याख्या एवं काव्यगत विशेषताएं।	14
Unit II	रघुवंशम्– कालिदासकृत, द्वितीय सर्ग– 26 से 50 श्लोक पर्यन्त–श्लोकों की व्याख्या, काव्यगत विशेषताएं एवं समीक्षात्मक प्रश्न।	12
Unit III	छन्द परिचय–लक्षण एवं उदाहरण– अनुष्टुप्, आर्या, इन्द्रवज्रा, वंशस्थ, बसन्ततिलका, शिखरिणी, शादूर्लविक्रीडित, मालिनी, भुजङ्गप्रयात एवं मन्दाक्रान्ता। अलंकार परिचय–लक्षण एवं उदाहरण– अनुप्रास, श्लेष, यमक, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, व्यतिरेक, विभावना, विशेषोक्ति, अतिशयोक्ति।	12
Unit IV	अभिज्ञानशाकुन्तलम्– कालिदासकृत, 1–4 अंक–श्लोकों की व्याख्या, टिप्पणी एवं समीक्षात्मक प्रश्न।	22
Unit V	नाट्यसाहित्य का सामान्य परिचय एवं नाट्यशास्त्रीय पारिभाषिक शब्दावली (दशरूपक के आधार पर)– नान्दी, प्रस्तावना, सूत्रधार, आकाशभाषित, विष्कम्भक, प्रवेशक, जनान्तिक, अपवारित, स्वगतकथन, एवं भरतवाक्य।	10
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	70 20 Total- 90

Suggested Reading:

1. राघुवंशम् महाकाव्यम्–सम्पा0 महावीर शास्त्री– प्रकाशन साहित्यभण्डार,सुभाष बाजार ,मेरठ–250002।
2– छन्दोऽलंकार ज्ञान– डॉ किरण टण्डन।
3– अलंकार शास्त्र का इतिहास– डॉ0 कृष्ण कुमार।
4– वृत्तरत्नाकर– पं0 केदारभट्ट– व्याख्या प0 बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
5– साहित्यदर्पण– नवम्–दशम परिच्छेद।
6– छन्दोऽलंकार परिचय– डॉ0 लज्जा भट्ट, लक्ष्मी प्रकाशन।
7– छन्दोऽलंकार सौरभम्– डॉ0 सावित्री गुप्ता, विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली।
8– अभिज्ञानशाकुन्तलम्– डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी, साहित्य संस्थान इलाहाबाद।
9– अभिज्ञानशाकुन्तल एक विश्लेषण– डॉ0 देवीदत्त शर्मा।
10– संस्कृत साहित्य का इतिहास– डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी, ज्ञान प्रकाशन भदौही।
11– संस्कृत साहित्य का इतिहास– डॉ0 बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
12– महाकवि कालिदास– रमाशंकर तिवारी।
13– संस्कृत नाटक– ए.बी. कीथ।
14– संस्कृत नाटक– रामजी उपाध्याय।

Suggested Online Link:
Suggested equivalent online courses:
This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

CERTIFICATE COURSE IN UG		
Programme: ***Certificate Course in Arts- Sanskrit***	**Year: I**	**Semester:II Paper-III**
Subject: Sanskrit		
CourseCode:	**Course Title: नित्यनैमित्तिक अनुष्ठान**	

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. विद्यार्थी भारतीय पारंपरिक कर्मकाण्ड एवं सांस्कृतिक मूल्यों से परिचित होंगे।
2. नित्य नैमित्तिक अनुष्ठान विधि को जानकर जीवन को नियमबद्ध एवं आचरणशील बनाने में समर्थ होंगे।
3. भारतीय कर्मकाण्ड के प्रामाणिक शास्त्रीय रूप से परिचित होकर उसकी व्यवहारिक उपयोगिता जानने योग्य बनेंगे।
4. सामान्य अनुष्ठान संपन्न कराने योग्य कुशल और पौरोहित्य कर्म विशारद बनेंगे।
5. आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को साकार करने में सक्षम एवं आत्मनिर्भर बनेंगे।

Credits: 3	**Vocational/Skill Development Coures**
Max. Marks: 25 (Internel)+ 75 (External)=100	**Min. Passing Marks: 10+30=40**

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	नित्य विधि (प्रातरुत्थान, स्नान, संध्या, तर्पण तथा पंचयज्ञ) से सम्बन्धित मन्त्रों अथवा श्लोकों का अध्ययन एवं अभ्यास।	12
Unit II	षोडशोपचार पूजन, कुशकंडिका– विधि, मंडप–कुंड–निर्माण तथा होम विधि आदि मन्त्रों अथवा श्लोकों का अध्ययन एवं अभ्यास।	12
Unit III	नवग्रह शांति, प्राग्जन्म तथा जातकर्म संस्कार, अन्नप्राशन तथा चौल कर्म, यज्ञोपवीत, विवाह संस्कार, गृहारंभ एवं गृह प्रवेश आदि मन्त्रों अथवा श्लोकों का अध्ययन एवं अभ्यास।	13
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	37 08 Total- 45

Suggested Reading:

1. हिन्दू संस्कार, राजबली पांडे चौखंबा विद्याभवन, वाराणसी, 1995।
2. धर्म शास्त्र का इतिहास, प्रथम भाग, अर्जुन चौबे, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ।
3. संस्कार प्रकाश, भवानी शंकर त्रिवेदी, लाल बहादुर शास्त्री केंद्रीय संस्कृत विद्यापीठ, दिल्ली।
4. पौरोहित्यकर्म प्रशिक्षक, उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ।
5. नित्यकर्म पूजा प्रकाश, गीता प्रेस गोरखपुर।
6. धर्म शास्त्र का इतिहास, पांडुरंग वामन काणे, (अनु0) अर्जुन चौबे कश्यप, प्रथम भाग, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान लखनऊ, 1973।

Suggested Online Link:

Suggested equivalent online courses:

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

अन्य सभी विभाग एवं संकाय

CERTIFICATE COURSE IN UG

Programme: ***Certificate Course in Arts- Sanskrit***	**Year: I**	**Semester:II Paper-IV**

Subject: Sanskrit

CourseCode:	**Course Title: भारतीय ज्ञान परम्परा–(आरण्यक एवं उपनिषद्का सामान्य अध्ययन)**

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. भारतीय ज्ञान परम्परा के अन्तर्गत निर्धारित पाठ्यक्रम आरण्यक एवं उपनिषद् के सामान्य अध्ययन से विद्यार्थी वैदिक संस्कृति का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
2. आरण्यक ग्रन्थ के अध्ययन से वैदोक्त सन्देशों एवं मूल्यों के माध्यम से आचरण का उदात्तीयकरण होंगा।
3. उपनिषद् का सामान्य परिचय एवं निहित उपदेशों का अवबोध होगा।
4. औपनिषदिक संस्कृति के प्रति गौरव का बोध होगा।

Credits: 2	**Co- Curricular Course (Qualifying)**
Max. Marks: 25 (Internel)+ 75 (External)=100	**Min. Passing Marks: 10+30=40**

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	प्रमुख आरण्यकों का परिचय– (क) ऋग्वेद के आरण्यक–ऐतरेय, शांखायन एवं कौषीतकि आरण्यक। (ख) यजुर्वेद के आरण्यक– बृहदारण्यक, मैत्रायणि, तैत्तिरीयारण्यक।	10
Unit II	प्रमुख उपनिषदों का सामान्य विवेचन– (क) ईशावास्योपनिषद्, कठोपनिषद्, प्रश्नोपनिषद्, मुण्डकोपनिषद् एवं तैत्तरीयोपनिषद्– प्रतिपाद्य विषय एवं महत्त्व। (ख) उपनिषदों में अध्यात्म। (ग) उपनिषदों में नैतिक तत्त्व। (घ) उपनिषदों में राष्ट्रिय भावना।	15
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	25 05 Total- 30

Suggested Reading:

1–वैदिक वाङ्मय की विस्तृत रूपरेखा– सुमनलता रस्तोगी– न्यू भारतीय बुक कॉरपेशन नई दिल्ली।

2–उपनिषद वाङ्मय में योगविद्या– मनुदेव बन्धु–न्यू भारतीय बुक कॉरपेशन नई दिल्ली।

3– वेदों में राजनीतिशास्त्र– डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी।

4– वेदों में आयुर्वेद– डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी।

5– आरण्यक परिचय– वैदिक वाङ्मय का बृहत् इतिहास।

6– 108 उपनिषद्– गीता प्रेस गोरखपुर।

7–उपनिषद्भाष्य– महात्मा नारायण स्वामी।

8– ईशावास्योपनिषद्– डॉ0 हरिनारायण यादव।

9– कठोपनिषद्– डॉ0 वासुदेव कृष्ण चतुर्वेदी।

Suggested Online Link:

Suggested equivalent online courses:

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

अन्य सभी विभाग एवं संकाय

DIPLOMA COURSE IN UG

Programme: Diploma *Course in Arts- Sanskrit*	**Year: II**	**Semester:III Paper-I**

Subject: Sanskrit

CourseCode: | **Course Title: काव्य, भारतीयसंस्कृति एवं व्याकरण**

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. विद्यार्थी संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय प्राप्त कर काव्य रचनाओं से परिचित हो सकेंगे।
2. भारतीय संस्कृति के अध्ययन से विद्यार्थी संस्कृति की विशेषताओं से परिचित होंगे जिससे उनका नैतिक एवं चारित्रिक उत्कर्ष होंगा।
3. भारतीय सास्कृतिक तत्त्वों एवं मूल्यों को आत्मसात् कर भारतीयता के गर्व बोध से युक्त उत्तम नागरिक बनेगें।
4. संस्कृत व्याकरण का ज्ञान प्राप्त कर उसकी वैज्ञानिकता से सुपरिचित हो सकेंगे।

Credits: 6	**Core Compulsory**
Max. Marks: 25 (Internel)+ 75 (External)=100	**Min. Passing Marks: 10+30=40**

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	किरातार्जुनीयम्, भारवि, प्रथम सर्ग–01 से 50 श्लोक पर्यन्त– महाकाव्य का परिचय, कवि परिचय, श्लोकों की व्याख्या, टिप्पणी एवं समीक्षात्मक प्रश्न।	17
Unit II	शिवराजविजयम्, अम्बिकादत्त व्यास, प्रथम विराम–ग्रन्थ परिचय, कवि परिचय, व्याख्या, टिप्पणी एवं समीक्षात्मक प्रश्न।	16
Unit III	भारतीय संस्कृति– भारतीय संस्कृति की विशेषताएँ, पंच महायज्ञ, संस्कार, पुरुषार्थ चतुष्ट्य, वर्णाश्रम व्यवस्था।	10
Unit IV	संन्धिप्रकरणम्– अच् सन्धि (सूत्रव्याख्या एवं सूत्र निर्देश पूर्वक सन्धि एवं सन्धि विग्रह)। हल् सन्धि (सूत्रव्याख्या एवं सूत्र निर्देश पूर्वक सन्धि एवं सन्धि विग्रह)। विसर्ग सन्धि (सूत्रव्याख्या एवं सूत्र निर्देश पूर्वक सन्धि एवं सन्धि विग्रह)।	15
Unit V	कारक प्रकरण, लघुसिद्धान्तकौमुदी से– सूत्रसंख्या– 2/3/46, 2/3/47, 1/4/49, 2/3/2, 1/4/51, 1/4/54, 1/4/42, 2/3/18, 1/4/32, 2/3/13, 2/3/16, 1/4/24, 2/3/28, 2/3/50, 1/4/45 एवं 2/3/36 सूत्रों की व्याख्या एवं उदाहरण।	12
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	70 20 Total- 90

Suggested Reading:

1–किरातार्जुनीयम् (भारविकृत्)– जनार्दन शास्त्री पाण्डेय, मोतीलाल बनारसी दास पब्लिकेशन, दिल्ली।
2– शिवराज विजय (अम्बिकादत्त व्यास) प्रथम विराम –डॉ0 रमाशंकर मिश्र।
3– भारतीय संस्कृति– डॉ0 किरन टण्डन, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, नई दिल्ली।
4– भारतीय संस्कृति का इतिहास– डॉ0 नरेन्द्र देव सिंह शास्त्री।
5– भारतीय संस्कृति– डॉ0 इन्दुमती मिश्र।
6– आधुनिक गद्यसाहित्य का इतिहास– कलानाथ शास्त्री।
7– लघुसिद्धान्तकौमुदी (समास प्रकरण)– डॉ0 सूरेन्द्र देव शास्त्री।
8– लघुसिद्धान्तकौमदी (समास प्रकरण)– श्री धरानन्द शास्त्री, चौखम्बा सुरभारती, बनारस।
9– शिवराजविजय– डॉ0 बाबूरामत्रिपाठी, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा।
10– लघुसिद्धान्तकौमुदी– महेश सिंह कुशवाहा।

Suggested Online Link:
Suggested equivalent online courses:
This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

DIPLOMA COURSE IN UG			
Programme: ***Diploma Course in Arts- Sanskrit***		**Year: II**	**Semester:III or IV Paper-II**
Subject: Sanskrit			
CourseCode:	**Course Title: श्रीमद्भगवद्गीता का अध्ययन**		
Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि 1. विद्यार्थी श्रीमद्भगवद्गीता के अन्तर्गत प्रतिपाद्य विषय से अवगत हो सकेंगे। 2. श्रीमद्भगवद्गीता के माध्यम से कर्मसिद्धान्त एवं अध्यात्मज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। 3. मानवजीवन में ज्ञान के महत्त्व को आत्मसात करने में सक्षम होंगे। 4. विद्यार्थी प्रबन्धन के क्षेत्र में दक्षता प्राप्त कर सकेंगे।			
Credits: 4		**Minor/ Elective Paper**	
Max. Marks: 25 (Internel)+ 75 (External)=100		**Min. Passing Marks: 10+30=40**	
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0			

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	श्रीमद्भगवद्गीता का परिचय– महाभारत का संक्षिप्त परिचय, महर्षि वेद व्यास का संक्षिप्त परिचय एवं श्रीमद्भगवद्गीता के अध्यायों का परिचय।	05
Unit II	श्रीमद्भगवद्गीता में सांख्ययोग– श्रीमद्भगवद्गीता के द्वितीय अध्याय के अन्तर्गत सांख्ययोग से सम्बन्धित विषय विवेचन।	10
Unit III	श्रीमद्भगवद्गीता में कर्मयोग– श्रीमद्भगवद्गीता के तृतीय एवं चतुर्थ अध्याय में निहित कर्म सिद्धान्त का विवेचन।	10
Unit IV	श्रीमद्भगवद्गीता में ज्ञानयोग– श्रीमद्भगवद्गीता के सम्पूर्ण अध्यायों में निहित ज्ञानयोग की विवेचना एवं महत्त्व।	14
Unit V	श्रीमद्भगवद्गीता में प्रबन्धन– श्रीमद्भगवद्गीता के वर्णित प्रबन्धन का विवेचन एवं मानवजीवन में प्रबन्धन की उपयोगिता।	10
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	49 11 Total- 60

Suggested Reading:

1. श्रीमद्भगवद्गीता– गीता प्रेस गोरखपुर।
2. श्रीमद्भगवद्गीता हिन्दी टीकाकार– डॉ0 श्रीकृष्ण त्रिपाठी।
3. श्रीमद्भगवद्गीता (मधुसूदनी संस्कृत टीका)– श्री सनातन देव।
4. श्रीमद्भगवद्गीता– डॉ0 बाबूराम त्रिपाठी, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा।
5. गीताविज्ञानभाष्यम्– डॉ0 रामप्रकाश सारस्वत, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा।

Suggested Online Link:

Suggested equivalent online courses:

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

अन्य सभी विभाग एवं संकाय

DIPLOMA COURSE IN UG			
Programme: Diploma *Course in Arts- Sanskrit*		**Year: II**	**Semester:III Paper-III**
Subject: Sanskrit			
CourseCode:	**Course Title: ज्योतिषशास्त्र के मूलभूत सिद्धान्त**		

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. भारतीय प्राचीन ज्ञान के प्रति अभिरूचि उत्पन्न होगी।
2. भारतीय ज्योतिषशास्त्र का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
3. ज्योतिष के विभिन्न सिद्धांतों के माध्यम से विश्लेषण क्षमता जागृत होगी।
4. पंचागं अवलोकन एवं निर्माण कौशल का विकास होगा।

Credits: 3	**Vocational/Skill Development Coures**
Max. Marks: 25 (Internel)+ 75 (External)=100	**Min. Passing Marks: 10+30=40**

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	ज्योतिषशास्त्र का सामान्य परिचय, उद्भव एवं विकास– वेदांग का परिचय, ज्योतिषशास्त्र का महत्त्व, ज्योतिषशास्त्र का इतिहास एवं ज्योतिषशास्त्र परम्परा एवं विकास।	12
Unit II	ज्योतिष चंद्रिका–संज्ञा प्रकरण श्लोक 01 से 40 पर्यन्त– ज्योतिष चंद्रिका परिचय, कृतिकार का परिचय, ज्योतिष चंद्रिका का महत्त्व एवं प्रतिपाद्य विषय, श्लोकों की व्याख्या एवं टिप्पणी।	12
Unit III	ज्योतिष चंद्रिका–संज्ञा प्रकरण श्लोक 41 से 80 पर्यन्त– श्लोकों की व्याख्या, टिप्पणी एवं समीक्षात्मक प्रश्न।	13
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	37 08 Total- 45

Suggested Reading:

1. ज्योतिष चंद्रिका, रेवती रमण शर्मा, (संपा) कान्ता भाटिया, भारतीय बुक कॉरपोरेशन, दिल्ली।
2. ज्योतिर्विज्ञानसन्दर्भसमालोचनिका, प्रो0 बृजेशकुमार शुक्ल, प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली।
3. बृहत् संहिता, अच्युतानंद झा (अनु0), चौखंबा विद्याभवन, वाराणसी।
4. बृहत् संहिता, राधाकृष्णन भट्ट (अनु0), मोतीलाल बनारसीदास वॉल्यूम 1 और 2, दिल्ली।
5. भारतीय ज्योतिष, शंकर बालकृष्ण दीक्षित शिवनाथ झारखंडी (अनु0), हिन्दी समिति, उत्तर प्रदेश।
6. भारतीय ज्योतिष, नेमीचन्द शास्त्री, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली।
7. ब्रह्मांड एवं सौर परिवार, त्रिपाठी देवी प्रसाद, दिल्ली।
8. भुवन कोश, त्रिपाठी देवी प्रसाद, दिल्ली।

Suggested Online Link:

Suggested equivalent online courses:

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

अन्य सभी विभाग एवं संकाय

DIPLOMA COURSE IN UG

Programme: *Diploma Course in Arts- Sanskrit*	**Year: II**	**Semester:III Paper-IV**

Subject: Sanskrit

CourseCode:	**Course Title: भारतीय ज्ञान परम्परा– (पुराण एवं धर्मशास्त्र का सामान्य अध्ययन)**

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. भारतीय ज्ञान परम्परा के अन्तर्गत पुराणों के अध्ययन से विद्यार्थी पुराणों से सुपरिचित हो सकेंगे।
2. पुराण में निहित ज्ञान से विद्यार्थियों का नैतिक एवं चारित्रिक विकास होंगा।
3. पुराणों में वर्णित नारी विमर्श से विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ेगा।
4. विद्यार्थियों में राष्ट्रभक्ति की भावना प्रबल होंगी तथा उत्तम नागरिक बनेंगे।
5. धर्मशास्त्र के परिचय से विद्यार्थी भारतीय संस्कृति, संस्कार, राजधर्म तथा कर्मसिद्धान्त से परिचित होंगे।

Credits: 2	**Co- Curricular Course (Qualifying)**
Max. Marks: 25 (Internel)+ 75 (External)=100	**Min. Passing Marks: 10+30=40**

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	**Topic**	**No. of Lectures**
Unit I	पुराण परिचय :– पुराण का अर्थ, प्रमुख पुराणों का सामान्य परिचय एवं महत्त्व। (क) पुराणों में नारी विमर्श। (ख) पुराणों में राष्ट्रिय भावना।	10
Unit II	धर्मशास्त्र का परिचय : मनुस्मृति एवं याज्ञवल्क्यस्मृति का सामान्य अध्ययन एवं महत्त्व।	15
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	25 05 Total- 30

Suggested Reading:

1– पुराण साहित्यादर्श– डॉ0 बृजेशकुमार शुक्ल।
2– पुराण विमर्श– आचार्य बलदेव उपाध्याय– चौखम्बा विद्या भवन वाराणसी।
3– धर्मशास्त्रों में न्याय व्यवस्था का स्वरूप– डॉ0 शशि कश्यप।
4– विशुद्ध मनुस्मृति– डॉ0 सुरेन्द्र कुमार।
5– मनुस्मृति– डॉ0 राकेश शास्त्री।
6– याज्ञवल्क्यस्मृति– आचारध्याय– डॉ0 रामप्रकाश सारसवत।
7– याज्ञवल्क्यस्मृति– व्यावहारध्याय– डॉ0 रामप्रकाश सारसवत।

Suggested Online Link:

Suggested equivalent online courses:

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

अन्य सभी विभाग एवं संकाय

DIPLOMA COURSE IN UG

Programme: ***Diploma Course in Arts- Sanskrit*** | **Year: II** | **Semester:IV Paper-I**

Subject: Sanskrit

CourseCode: | **Course Title: संस्कृत साहित्य, साहित्यकार परिचय एवं निबन्ध**

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. विद्यार्थी संस्कृत साहित्य का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर पद्यसाहित्य एवं गद्यसाहित्य से सुपरिचित हो सकेंगे।
2. सम्बन्धित साहित्य के अध्ययन से पद्यसाहित्य की सुगीतात्मकता का सौन्दर्य बोध कर सकेंगे।
3. सम्बन्धित साहित्य के माध्यम से उनका नैतिक एवं चारित्रिक उत्कर्ष होंगा।
4. प्राचीन एवं अर्वाचीन संस्कृत साहित्यकारों के अध्ययन से प्रेरणा प्राप्त कर सकेंगे।
5. विद्यार्थियों में निबन्ध एवं अनुच्छेद लेखन क्षमता को विकास होंगा।

Credits: 6 | **Core Compulsory**

Max. Marks: 25 (Internel)+ 75 (External)=100 | **Min. Passing Marks: 10+30=40**

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	शिशुपालवधम्– प्रथम सर्ग–01से 50 श्लोक पर्यन्त– संस्कृत साहित्य का संक्षिप्त परिचय, महाकाव्य का संक्षिप्त परिचय, शिशुपालवधम् के सर्गों का संक्षिप्त परिचय, कृतिकार का परिचय, श्लोकों की व्याख्या, टिप्पणी एवं समीक्षात्मक प्रश्न।	17
Unit II	कादम्बरी, बाणभट्ट, शुकनासोपदेश– गद्यसाहित्य का परिचय, कादम्बरी का संक्षिप्त परिचय, गद्यकार परिचय, शुकनासोपदेश के अनुच्छेदों की व्याख्या, टिप्पणी एवं समीक्षात्मक प्रश्न। ।	16
Unit III	दशकुमारचरितम्,(पूर्वपीठिका)– विश्रुतचरितम् दण्डीकृत– दशकुमारचरितम् का संक्षिप्त परिचय, गद्यकार परिचय, विश्रुतचरितम् के अनुच्छेदों की व्याख्या, टिप्पणी एवं समीक्षात्मक प्रश्न। ।	10
Unit IV	(अ) प्राचीन सस्कृत साहित्यकार का परिचय एवं संस्कृत साहित्य में उनका योगदान यथा– वाल्मीकि, व्यास, भास, भवभूति, शूद्रक, बाणभट्ट, दण्डी, हर्षदेव, श्रीहर्ष। (ब) अर्वाचीन संस्कृत साहित्यकार का परिचय एवं संस्कृत साहित्य में उनका योगदान यथा– अम्बिकादत्त व्यास, शिवप्रसाद भारद्वाज, हरिनारायण दीक्षित, अभिराजराजेन्द्र मिश्र, राधाबल्लभ त्रिपाठी, हरिदत्त शर्मा, रेवा प्रसाद द्विवेदी।	15
Unit V	निबन्ध लेखन (संस्कृत भाषा में)– संस्कृतभाषा, विद्या, उद्योगः, परोपकारः, स्त्रीशिक्षाः, अहिंसा, सत्संगतिः, पर्यावरणम्।	12
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	70 20 Total- 90

Suggested Reading:

1– शिशुपालवधम्– डॉ0 बाबूराम त्रिपाठी, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा।

2– संस्कृत साहित्य का इतिहास– कपिलदेव द्विवेदी, चौखम्बा प्रकाशन वाराणसी।

3– संस्कृत साहित्य का इतिहास– आचार्य बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।

4– आधुनिक संस्कृत साहित्य– डॉ0 हीरालाल शुक्ल।

5– संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास– राधाबल्लभ त्रिपाठी विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी।

6– आधुनिक संस्कृत साहित्य सन्दर्भ सूची (सम्पादक) राधावल्लभ त्रिपाठी राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली।

7– आधुनिक संस्कृत काव्य की परिक्रमा, मंजू लता शर्मा, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान नई दिल्ली।

8– संस्कृत वाड्मय का बृहद् इतिहास– सप्तम खण्ड आधुनिक खण्ड, उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, उत्तर प्रदेश।

Suggested Online Link:

Suggested equivalent online courses:

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

DIPLOMA COURSE IN UG		
Programme: ***Diploma Course in Arts- Sanskrit***	**Year: II**	**Semester:IV Paper-III**
Subject: Sanskrit		
CourseCode:	**Course Title: उत्तराखण्ड के संस्कृत साहित्यकार– एक अध्ययन (कुमाऊँ तथा गढ़वाल के सन्दर्भ में)**	

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. उत्तराखण्ड के साहित्यकारों का सामान्य परिचय प्राप्त कर सकेंगे।
2. संस्कृत साहित्यकार परम्परा का परिचय जानने समझने की जिज्ञासा उत्पन्न होगी।
3. उत्तराखण्ड संस्कृतसाहित्य की उपयोगिता से परिचित होंगे।
4. उत्तराखण्ड संस्कृतसाहित्य के मूलभूत सिद्धांतों के ज्ञान द्वारा विद्यार्थीयों का कौशल विकास हो सकेंगा।

Credits: 3	**Vocational/Skill Development Coures**
Max. Marks: 25 (Internel)+ 75 (External)=100	**Min. Passing Marks: 10+30=40**

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	उत्तराखण्ड का संक्षिप्त परिचय एवं संस्कृतसाहित्य परम्परा– उत्तराखण्ड के अन्तर्गत कुमाऊँ एवं गढ़वाल क्षेत्र का संक्षिप्त परिचय एवं संस्कृतसाहित्य परम्परा तथा महत्त्व।	10
Unit II	उत्तराखण्ड संस्कृतसाहित्य एवं साहित्यकारों का परिचय– 19 वीं शताब्दी के सन्दर्भ में– उत्तराखण्ड संस्कृतसाहित्य का उद्भव एवं विकास, साहित्यकारों का सामान्य परिचय एवं उनकी कृतियों का परिचय तथा महत्त्व।	14
Unit III	उत्तराखण्ड संस्कृतसाहित्य एवं साहित्यकारों का परिचय– 20 वीं शताब्दी के सन्दर्भ में– उत्तराखण्ड संस्कृतसाहित्य का उद्भव एवं विकास, साहित्यकारों का सामान्य परिचय एवं उनकी कृतियों का परिचय तथा महत्त्व।	13
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	37 08 Total- 45

Suggested Reading:

1. आधुनिक संस्कृत साहित्य का इतिहास– पद्मभूषण पं0 बलदेव उपाध्याय।
2. संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास– सप्तम खण्ड–सम्पादक डॉ0 जगन्नाथ पाठक, उ0प्र0सं0सं0लखनऊ।
3. आधुनिक संस्कृत नाटक– रामजी उपाध्याय।
4. संस्कृत का अर्वाचीन समीक्षात्मक काव्यशास्त्र– प्रो0 अभिराज राजेन्द्र मिश्र।
5. संस्कृतसाहित्य का अभिनव इतिहास– प्रो0 राधबल्लभ त्रिपाठी।
6. विंशतिशताब्दीसंस्कृतकाव्यामृतम्– प्रो0 अभिराज राजेन्द्र मिश्र।
7. कूर्मांचल के संस्कृत साहित्यकारो का योगदान पं0 बी0बी0 भट्ट।
8. उत्तराखण्ड के संस्कृत साहित्यकार प्रो0 शालिमा तबस्सुम।

Suggested Online Link:

Suggested equivalent online courses:

This course can be opted as an elective by the students of following subjects: अन्य सभी विभाग एवं संकाय

DIPLOMA COURSE IN UG			
Programme: ***Diploma Course in Arts- Sanskrit***		**Year: II**	**Semester:IV Paper-IV**
Subject: Sanskrit			
CourseCode:	**Course Title: भारतीय ज्ञान परम्परा– (रामायण एवं महाभारत का सामान्य अध्ययन)**		

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. भारतीय ज्ञान परम्परा के अन्तर्गत रामायण के अध्ययन से ऐतिहासिक एवं आर्ष काव्य से अवगत हो सकेंगे।
2. रामायण के अध्ययन से विद्यार्थी भारतीय संस्कृति से अवगत होंगे जिससे उनका नैतिक एवं चारित्रिक विकास होंगा।
3. महाभारत के अध्ययन से सांस्कृतिक, राजनैतिक, धार्मिक एवं आध्यात्मिक ज्ञान प्राप्त कर उत्तम नागरिक बनेंगे।
4. आर्षकाव्य रामायण एवं महाभारत में निहित शिक्षाओं से विद्यार्थियों का कौशल विकास होंगा।

Credits: 2	**Co- Curricular Course (Qualifying)**
Max. Marks: 25 (Internel)+ 75 (External)=100	**Min. Passing Marks: 10+30=40**

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	रामायण का सामान्य परिचय, नैतिक मूल्य एवं शिक्षाएँ– रामायण का उद्भव, महर्षि वाल्मीकि का संक्षिप्त परिचय, रामायण के प्रतिपाद्य विषय का सामान्य अध्ययन, नैतिक मूल्य परिचय, रामायण में निहित नैतिक मूल्य एवं शिक्षाओं का सामान्य परिचय एवं उनका महत्त्व।	12
Unit II	महाभारत का सामान्य परिचय, सामाजिक चेतना एवं शिक्षाएँ– महाभारत ग्रन्थ का उद्भव, महर्षि वेद व्यास का संक्षिप्त परिचय, महाभारत के सर्गों का संक्षिप्त परिचय, महाभारत में वर्णित समाज, सामाजिक चेतना एवं प्राप्त शिक्षाओं का महत्त्व।	13
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	25 05 Total- 30

Suggested Reading:

1–संस्कृत–वाङ्मय का बृहद् इतिहास– आर्षकाव्य।
2–महाभारत– श्रीपाद दामोदर सातवलेकर, स्वाध्यायमण्डल।
3– महाभारत का अर्थ,डी0डी0 हर्ष, वाग्देवी प्रकाशन वीकानेर 2014।
4– श्रीमद्वाल्मीकि रचित रामायण– गीता प्रेस गोरखपुर।
5– महाभारत सूक्तिसुधा– सुभाष विद्यालंकार।
6– मूल रामायणम्– डॉ0 रामप्रकाश सारस्वत– महालक्ष्मी प्रकाशन।

7– वाल्मीकि रामायण में मूल्य चेतना– डॉ0 बृजेश– नाग प्रकाशन।

8– महाभारत में श्रीकृष्ण का विलक्षण व्यक्तित्व– डॉ0 भुवन चन्द्र पाठक।

Suggested Online Link:

Suggested equivalent online courses:

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

अन्य सभी विभाग एवं संकाय

DEGREE COURSE IN UG		
Programme: ***Degree Course in Arts- Sanskrit***	**Year: III**	**Semester:V Paper-I**
Subject: Sanskrit		
CourseCode:	**Course Title:** काव्यशास्त्र, दर्शन एवं व्याकरण	

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. विद्यार्थी काव्यशास्त्र के उद्भव और विकास से सुपरिचित होकर काव्य शास्त्रीय तत्वों को समझने में सक्षम होंगे।
2. भारतीय दार्शनिक तत्वों का सामान्य ज्ञान प्राप्त होगा।
3. दार्शनिक तत्वों के प्रति विश्लेषणात्मक एवं तार्किक क्षमता का विकास होगा।
4. व्याकरणशास्त्र के ज्ञान के माध्यम से शुद्ध वाक्य विन्यास कौशल का विकास हो सकेंगा।

Credits:5	**Core Compulsory**
Max. Marks: 25 (Internel)+ 75 (External)=100	**Min. Passing Marks: 10+30=40**

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	साहित्यदर्पण—षष्ठ परिच्छेद 01 कारिका से 150 कारिका पर्यन्त—काव्यशास्त्र का उद्भव एवं विकास, साहित्यदर्पण का संक्षिप्त परिचय, आचार्य विश्वनाथ का परिचय, कारिकाओं का अर्थ एवं टिप्पणी।	15
Unit II	साहित्यदर्पण—षष्ठ परिच्छेद 151 कारिका से लेकर समाप्ति पर्यन्त—कारिकाओं का अर्थ, टिप्पणी एवं समीक्षात्मक प्रश्न।	12
Unit III	तर्कसंग्रह, अन्नंभट्ट, प्रारम्भ से प्रत्यक्ष प्रमाण पर्यन्त— ग्रन्थ का परिचय, रचनाकार का परिचय, सूत्रों की व्याख्या, टिप्पणी एवं समीक्षात्मक प्रश्न।	14
Unit IV	तर्कसंग्रह, अन्नंभट्ट, अनुमान प्रमाण से समाप्ति पर्यन्त— सूत्रों की व्याख्या, टिप्पणी एवं समीक्षात्मक प्रश्न।	12
Unit V	व्याकरण— प्रत्यय (कृदन्त) तव्यत्, अनीयर्, ण्वलु, तृच्, क्त्, क्तवतु, क्तिन्, तुमुन् एवं घञ्। (लघुसिद्धान्तकौमुदी)— प्रत्यय परिचय, सूत्रों का व्याख्या, उदाहरण।	12
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	65 10 Total- 75

Suggested Reading:

1. काव्यालंकार— शिवनारायण शास्त्री, परिमल प्रकाशन।
2. साहित्यदर्पण— प्रो0 सत्यव्रत सिंह, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन।
3. तर्कसंग्रह (अन्नम् भट्ट)— डॉ0 चन्द्रशेखर द्विवेदी।
4. लघुसिद्धान्तकौमुदी— कृदन्त प्रकरण— महेश सिंह कुशवाहा।
5. लघुसिद्धान्तकौमुदी— श्री धरानन्द शास्त्री, चौखम्बा सुरभारती, बनारस।
6. लघुसिद्धान्तकौमुदी— डॉ0 सुरेन्द्र देव शास्त्री।

7. लघुसिद्धान्तकौमुदी– वरदराज, भैमी व्याख्या, भीमसेन शास्त्री (1–6 भाग)।
8. लघुसिद्धान्तकौमुदी– गोविंद प्रसाद शर्मा एवं आचार्य रघुनाथ शास्त्री, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन।
9. लघुसिद्धान्तकौमुदी– डॉ0 उमेश चन्द्र पाण्डे, चौखम्बा प्रकाशन।
10.कृदन्त प्रकरणम्– डॉ0 लज्जा भट्ट– राधा पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली।

Suggested Online Link:
Suggested equivalent online courses:
This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

DEGREE COURSE IN UG			
Programme: ***Degree Course in Arts- Sanskrit***		**Year: III**	**Semester:V Paper-II**
Subject: Sanskrit			
CourseCode:	**Course Title: उपनिषद्, पुराण एवं स्तोत्रकाव्य**		

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. उपनिषद् का सामान्य परिचय एवं निहित उपदेशों का अवबोध होगा।
2. पुराणों के अध्ययन से सांस्कृतिक एवं सामाजिक चेतना से परिचित होंगे।
3. स्तोत्र काव्य के अध्ययन से कल्याण परक तथ्यों से परिचित होकर आत्मोत्कर्ष की अभिप्रेरणा प्राप्त होगी।
4. स्तोत्र काव्य के रहस्य द्वारा सृष्टि कल्याणार्थ भाव विकसित होंगे।

Credits: 5	**Core Compulsory**
Max. Marks: 25 (Internel)+ 75 (External)=100	**Min. Passing Marks: 10+30=40**

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	उपनिषदों का सामान्य परिचय– उपनिषद् का अर्थ, उपनिषद् की संख्या, उपनिषदों का प्रतिपाद्य विषय एवं महत्त्व।	12
Unit II	कठोपनिषद (प्रथम अध्याय)– कठोपनिषद का संक्षिप्त परिचय, महत्त्व, मन्त्रों की व्याख्या, टिप्पणी एवं समीक्षात्मक प्रश्न।	15
Unit III	पुराणों का सामान्य परिचय एवं महत्त्व– पुराण का अर्थ, प्रमुख पुराणों का परिचय, प्रतिपाद्य विषय एवं महत्त्व।	14
Unit IV	श्रीमद्भागवद् पुराण का ''नारायण कवच''– श्रीमद्भागवद् पुराण परिचय, महत्त्व एवं नारायण कवच का महत्त्व।	12
Unit V	स्तोत्र काव्य का सामान्य परिचय एवं आदित्यस्तोत्र– स्तोत्र काव्य का अर्थ, स्तोत्र काव्य परम्परा, महत्त्व, आदित्यस्तोत्र की श्लोकों की व्याख्या एवं टिप्पणी।	12
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	65 10 Total- 75

Suggested Reading:

1– कठोपनिषद्– सुरेन्द्र देव शास्त्री, चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी।
2– पुराण विमर्श– पण्डित बलदेव उपाध्याय, मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली।
3– श्रीमद्भागवद् पुराण– गीता प्रेस, गोरखपुर।
4– वैदिक साहित्य का इतिहास– डॉ0 कर्णसिंह।
5– पुराण तत्त्व मीमांसा– डॉ0 श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी, चौखम्बा साहित्य, वाराणसी।
6– श्रीमद्भागवतम्– सम्पा0 रामतेज पाण्डेय शास्त्री, चौखम्बा साहित्य, वाराणसी।

Suggested Online Link:
Suggested equivalent online courses:
This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

DEGREE COURSE IN UG			
Programme: ***Degree Course in Arts- Sanskrit***		**Year: III**	**Semester:V Paper-III**
Subject: Sanskrit			
CourseCode:	**Course Title: भारतीय ज्ञान परम्परा– (भारतीय दर्शन का सामान्य अध्ययन)**		
Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि 1. भारतीय ज्ञान परम्परा के अन्तर्गत भारतीय दर्शन से परिचय प्राप्त कर सकेंगे। 2. भारतीय दर्शन में निहित उद्देश्यों एवं ज्ञान को आचरण में समाहित करने हेतु अभिप्रेरित होंगे। 3. भारतीय दर्शन में विद्यमान नैतिक एवं कल्याण परक तथ्यों से आत्मोकर्ष की अभिप्रेरणा प्राप्त कर सकेंगे।			
Credits: 2		**Co- Curricular Course (Qualifying)**	
Max. Marks: 25 (Internel)+ 75 (External)=100		**Min. Passing Marks: 10+30=40**	
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0			
Unit	**Topic**		**No. of Lectures**
Unit I	भारतीय दर्शन का इतिहास एवं महत्त्व– (क) दर्शन शब्द का अर्थ, भारतीय दर्शन उद्भव एवं विकास, भारतीय दर्शन का प्रतिपाद्य एवं महत्त्व। (ख) भारतीय आस्तिक दर्शन एवं नास्तिक दर्शन का सामान्य अध्ययन।		10
Unit II	आस्तिक दर्शन– न्याय, वैशेषिक, सांख्य, योग, वेदान्त एवं मीमांसा दर्शन के प्रवर्तक, प्रतिपाद्य विषय, एवं महत्त्व। नास्तिक दर्शन– चार्वाक, बौद्ध एवं जैन दर्शन के प्रवर्तक, प्रतिपाद्य विषय एवं महत्त्व।		15
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc		25 05 Total- 30

Suggested Reading:

1–भारतीय दर्शन– डॉ0 जयदेव अलंकार।
2–भारतीय संस्कृति का इतिहास– डॉ0 नरेन्द्र देव सिंह शास्त्री।
3–भारतीय दर्शन– उमेश मिश्र।
4–भारतीय दर्शन– बलदेव उपाध्याय।
5– Indian Philosophy- Das Gupta ।

Suggested Online Link:
Suggested equivalent online courses:
This course can be opted as an elective by the students of following subjects:
अन्य सभी विभाग एवं संकाय

DEGREE COURSE IN UG			
Programme: ***Degree Course in Arts- Sanskrit***		**Year: III**	**Semester:V Project**
Subject: Sanskrit			
CourseCode:	**Course Title: लघुशोध अध्ययन एवं कार्य–** संस्कृत रूपकों में नाट्यशास्त्रीय तत्त्व		

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. विद्यार्थी लघुशोधात्मक अध्ययन एवं कार्य के माध्यम से संस्कृत रूपकों एवं नाट्यशास्त्रीय तत्त्वों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
2. संस्कृत साहित्य के प्रसार के लिए नाट्यशास्त्रीय अध्ययन सहायक होगा।
3. विद्यार्थी रूपकों के अध्ययन के माध्यम से शोध कार्य में कुशलता प्राप्त कर सकेंगे।

Credits: 4	**Project**
Max. Marks: 25 (Internel)+ 75 (External)=100	**Min. Passing Marks: 10+30=40**

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	लघुशोध कार्य की भूमिका, उद्देश्य, महत्त्व एवं शोध प्रविधि का संक्षिप्त परिचय।	20
Unit II	संस्कृत साहित्य एवं संस्कृतसाहित्य की विधाओं का सामान्य परिचय, रूपक का सामान्य परिचय एवं रूपक भेद।	20
Unit III	नाट्यशास्त्र का सामान्य अध्ययन– नाट्यशास्त्र का परिचय, नाट्यशास्त्र के तत्त्वों का सामान्य परिचय, रूपकों में नाट्यशास्त्रीय तत्त्वों का अन्वेषण एवं महत्त्व।	20
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	Total- 60

Suggested Reading:

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास– आचार्य बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
2. नाट्यशास्त्र– भरतमुनि, मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली।
3. संस्कृत वाङ्मय का बृहत इतिहास– पं0 बलदेव उपाध्याय, उत्तर प्रदेश अकादमीय लखनऊ।
4. साहित्यदर्पण– शालिग्रामशास्त्रीविरचित, मोतीलाल बनारसी दास, वाराणसी।
5. दशरूपकम्– धनञ्जय, मोतीलाल बनारसी दास, वाराणसी।

Suggested Online Link:
Suggested equivalent online courses:
This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

DEGREE COURSE IN UG			
Programme: ***Degree Course in Arts- Sanskrit***		**Year: III**	**Semester:VI Paper-I**
Subject: Sanskrit			
CourseCode:	**Course Title: वेद एवं वैदिक साहित्य**		

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. विद्यार्थी वैदिक वाङ्मय एवं संस्कृति का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
2. वेदोक्त संदेशों एवं मूल्यों के माध्यम से आचरण का उदात्तीयकरण होगा।
3. वैदिक सूक्तों के माध्यम से विद्यार्थी को तत्कालीन आध्यात्मिक, सामाजिक एवं राष्ट्रीय परिदृश्य का निदर्शन होगा।
4. वर्तमान समय में वेदांग के ज्ञान द्वारा मानव कल्याणार्थ अग्रसर होंगे।

Credits: 5	**Core Compulsory**
Max. Marks: 25 (Internel)+ 75 (External)=100	**Min. Passing Marks: 10+30=40**

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	वेद– ऋग्वेद– अग्निसूक्त 1/1, अक्षसूक्त 10/34, पुरूषसूक्त 10/90– वैदिक साहित्य का संक्षिप्त परिचय, महत्त्व, सूक्तों का संक्षिप्त परिचय, महत्त्व, अन्वय, व्याख्या एवं टिप्पणी।	15
Unit II	यजुर्वेद– शिवसंकल्पसूक्त– सूक्त का संक्षिप्त परिचय, महत्त्व, अन्वय, व्याख्या एवं टिप्पणी।	12
Unit III	अथर्ववेद– पृथिवीसूक्त (द्वादशकाण्ड) 1 से 10 मन्त्र पर्यन्त– सूक्त का संक्षिप्त परिचय, महत्त्व, अन्वय, व्याख्या एवं टिप्पणी।	12
Unit IV	वेद, ब्राह्मण एवं आरण्यक ग्रन्थ परिचय– ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद एवं अथर्ववेद का सामान्य परिचय, ब्राह्मण एवं आरण्यक का सामान्य परिचय एवं वर्तमान परिप्रेक्ष्य में इनका महत्त्व।	14
Unit V	वेदांग परिचय– वेदांग का अर्थ, शिक्षा, कल्प, व्याकरण, ज्योतिष, छन्द एवं निरुक्त का सामान्य परिचय एवं महत्त्व।	12
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	65 10 Total- 75

Suggested Reading:

1– वैदिक सूक्त चयनिका– डॉ0 किरण टण्डन, डॉ0 जया तिवारी, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी ।
2– वैदिक सूक्त संकलन– विजय शंकर पाण्डे।
3– वैदिक सूक्त संग्रह– अयोध्या प्रसाद सिंह।
4– वैदिक साहित्य का इतिहास– डॉ0 कर्णसिंह।
5– वैदिक साहित्य और संस्कृति का स्वरूप– डॉ0 ओम प्रकाश पाण्डे।
6– शिवसंकल्पसूत्रम्– संस्कृत हिन्दी टीका सहित– डॉ0 त्रिलोकी नाथ द्विवेदी, चौखम्बा साहित्य प्रकाशन, वाराणसी।

Suggested Online Link:

Suggested equivalent online courses:

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

DEGREE COURSE IN UG		
Programme: ***Degree Course in Arts- Sanskrit***	**Year: III**	**Semester:VI Paper-II**
Subject: Sanskrit		
CourseCode: **Course Title: स्मृति एवं कौटिलीय अर्थशास्त्र**		

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. स्मृति साहित्य का सामान्य परिचय प्राप्त कर सकेंगे।
2. मनुस्मृति के माध्यम से भारतीय संस्कृति एवं संस्कार का अवबोध कर सकेंगे।
3. याज्ञवल्क्य स्मृति के अध्ययन से आचार एवं व्यवहार का सम्यक् ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
4. कौटिल्य अर्थशास्त्र के अध्ययन से अर्थनीति एवं राजनीति के मूलभूत सिद्धान्तों का अवबोध कर सकेंगे।

Credits: 5	**Core Compulsory**
Max. Marks: 25 (Internel)+ 75 (External)=100	**Min. Passing Marks: 10+30=40**

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	स्मृति साहित्य का सामान्य परिचय– स्मृति का अर्थ, स्मृति साहित्य का परिचय, महत्त्व एवं प्रतिपाद्य विषय।	09
Unit II	मनुस्मृति, सप्तम अध्याय– 01 से 50 श्लोक पर्यन्त– मनुस्मृति का प्रतिपाद्य विषय, मनुपरिचय, श्लोकों की व्याख्या एवं टिप्पणी।	14
Unit III	याज्ञवल्क्य स्मृति, आचाराध्याय– गृहस्थधर्म प्रकरण (श्लोक 97 से 128 पर्यन्त)– याज्ञवल्क्य स्मृति का प्रतिपाद्य विषय, याज्ञवल्क्य परिचय, श्लोकों की व्याख्या एवं टिप्पणी।	14
Unit IV	कौटिल्य अर्थशास्त्र का सामान्य परिचय– कौटिल्य अर्थशास्त्र का प्रतिपाद्य विषय, आचार्य कौटिल्य परिचय, कौटिल्य अर्थशास्त्र का महत्त्व एवं समीक्षात्म प्रश्न।	14
Unit V	कौटिलीय अर्थशास्त्र (विनयाधिकारिक प्रथम अधिकरण के प्रथम प्रकरण पर्यन्त)– प्रथम प्रकरण के अंशों की व्याख्या, टिप्पणी एवं समीक्षात्मक प्रश्न।	14
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	65 10 Total- 75

Suggested Reading:

1– मनुस्मृति– पण्डित रामेश्वरभट्ट कृत हिन्दी टीका सहित– चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान दिल्ली।
2– याज्ञवल्क्यस्मृति (हिन्दीव्याख्याकार)– डॉ0 उमेश चन्द्र पाण्डेय, आचार्य कपिलदेव गिरि– चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी।
3– वैदिक साहित्य का इतिहास– डॉ0 कर्णसिंह।
4– विशुद्ध मनुस्मृति– डॉ0 सुरेन्द्र कुमार।
5– मनुस्मृति हिन्दी व्याख्या सहित– डॉ0 गजानन्द शास्त्री मुसलगॉवकर, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
6– याज्ञवल्क्यस्मृतिः– मिताक्षरा– संस्कृत तथा हिन्दी टीका सहित– गंगासागर राय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।

Suggested Online Link:

Suggested equivalent online courses:

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

DEGREE COURSE IN UG		
Programme: ***Degree Course in Arts- Sanskrit***	**Year: III**	**Semester:VI Paper-III**
Subject: Sanskrit		
CourseCode:	**Course Title: भारतीय ज्ञान परम्परा–(नीति कथाओं का अध्ययन– पंचतंत्र के परिप्रेक्ष्य में)**	

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. विद्यार्थी नीतिकाव्य परम्परा से सुपरिचित हो सकेंगे।
2. नीति कथाओं के माध्यम से विद्यार्थियों का नैतिक एवं चारित्रिक उन्नयन होगा।
3. नीति कथाओं के माध्यम से अनुवाद एवं लेखन में कौशल प्राप्त कर सकेंगे।

Credits: 2	**Co- Curricular Course (Qualifying)**
Max. Marks: 25 (Internel)+ 75 (External)=100	**Min. Passing Marks: 10+30=40**

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	नीतिकाव्य परम्परा तथा मित्र भेद की प्रथम कथा एवं मित्र सम्प्राप्ति की प्रथम कथा– नीतिकाव्य का परिचय, पंचतंत्र का परिचय, आचार्य विष्णु शर्मा का परिचय, मित्र भेद कथाओं का सामान्य ज्ञान, मित्र भेद की प्रथम कथा का साराशं एवं महत्त्व, मित्र सम्प्राति की कथाओं का सामान्य परिचय, मित्र सम्प्राति की प्रथम कथा का साराशं एवं महत्त्व।	12
Unit II	काकोलूकीय की प्रथम कथा, लब्धप्रणाश की प्रथम कथा एवं अपरीक्षित कारक की प्रथम कथा– काकोलूकीय की प्रथम कथा का साराशं एवं महत्त्व, लब्धप्रणाश की प्रथम कथा का साराशं एवं महत्त्व, अपरीक्षित कारक की प्रथम कथा का साराशं एवं महत्त्व।	13
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	25 05 Total- 30

Suggested Reading:

1– पंचतंत्र– आचार्य श्री विष्णु शर्मा।
2– पंचतंत्र संस्करण– तन्त्राख्यायिका।
3– पंचतंत्र संस्करण– सरल पंचतंत्र।
4– पंचतंत्र संस्करण– दक्षिणी पंचतंत्र।
5– पंचतंत्र संस्करण– हितोपदेश।
6– गुणाढय की बृहत्कथा पर आश्रित क्षेमेन्द्र कृत बृहत्कथा मंजरी।
7– सोमदेवकृत कथा सरित सागर।

Suggested Online Link:
Suggested equivalent online courses:
This course can be opted as an elective by the students of following subjects:
अन्य सभी विभाग एवं संकाय

DEGREE COURSE IN UG			
Programme: ***Degree Course in Arts- Sanskrit***		**Year: III**	**Semester:VI Project**
Subject: Sanskrit			
CourseCode:	**Course Title: लघुशोध अध्ययन एवं कार्य– वेद में योग का स्वरूप**		

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. विद्यार्थी शोध के माध्यम से वेद एवं योगशास्त्र से परिचित होंगे।
2. भारतीय योग शास्त्र के मूलभूत सिद्धान्तों को जानकर योग की महत्ता से परिचित होंगे।
3. योग के वास्तविक स्वरूप के अवबोध द्वारा योग को जीवन में समाहित करने हेतु प्रेरित होंगे जिसके अनुप्रयोग से स्वस्थ समाज का निर्माण कर सकने में समर्थ होंगे

Credits: 4	**Project**
Max. Marks: 25 (Internel)+ 75 (External)=100	**Min. Passing Marks: 10+30=40**

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	लघुशोध कार्य की भूमिका, उद्देश्य, महत्त्व एवं शोध प्रविधि उपादेयता।	20
Unit II	वेद एवं योग परिचय– वेद का अर्थ, योग का अर्थ एवं परिभाषा।	20
Unit III	वेद में योग का स्वरूप– ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद, अथर्ववेद, उपनिषद् एवं श्रीमद्भगवद्त गीता के सन्दर्भ में।	20
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	Total- 60

Suggested Reading:

1. वैदिक साहित्य का इतिहास– डॉ0 करण सिंह, साहित्य भण्डार मेरठ।
2. पातंजलयोगदर्शनम्– पतंजलि कृत योगसूत्र, व्यास भाष्य, वाचस्पति मिश्र कृत तत्त्ववैशारदी, भारतीय विद्या प्रकाशन, वाराणसी, 1981।
3. योग दर्शन– हरि कृष्णदास गोयन्दका, गीता प्रेस गोरखपुर।
4. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति– आचार्य बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा प्रकाशन।
5. श्रीमद्भगवद्त गीता, (सम्पादक) गजानन शंभू साधले शास्त्री, परिमल पब्लिकेशन, दिल्ली 1988।
6. 108 उपनिषद्– ज्ञान खण्ड एवं साधना खण्ड– प्रकाशक युग निर्माण योजना विस्तार ट्रस्ट गायत्री तपोभूमि, मथुरा उत्तर प्रदेश।

Suggested Online Link:

Suggested equivalent online courses:

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

अन्य सभी विभाग एवं संकाय